मैं उम्मीद करता हूं कि फाइनेंस मिनिस्टर साहब इस तरफ ध्यान दे कर कामप्रीहेंसिव इन्कम टैक्स अमेंडमेंट बिल लायेंगे ।

श्री आर० वी० बड़े (खरगोन) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, जो बिल आया है उस का मैं और प्रिन्सिपल विरोध करता हूं, और इसलिये करता हूं क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने जो यह रूलिंग दी है कि इन्कम टैक्स वैल्थ टैक्स को डिडक्ट कर के लगाया जाय क्योंकि दो दफा एक आदमी पर टैक्स नहीं लगना चाहिये, यह बिल इस सिद्धान्त के खिलाफ जाता है।

MR. DEPUTY-SPEAKER : The hon. Member may continue on Monday.

15 hrs.

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS' BILLS AND RESOLUTIONS

Sixteenth Report

SHRI J. MATHA GOWDER (Nilgiris) : I beg to move the following :

"That this House do agree with the Sixteenth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 9th August, 1972".

MR. DEPUTY-SPEAKER : The question is :

"That this House do agree with the Sixteenth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 9th August, 1972."

The motion was adopted.

15-01 hrs.

RESOLUTIONS *RE : PER - CAPITA* INCOME—Contd.

MR. DEPUTY-SPEAKER : The House will resume consideration of the Resolution moved by shri Bibhuti Mishra urging upon the Government to fix the minimum limit of *pet capita* income. Shri Jharkande Rai was on his legs. He has taken 13 minutes. He must conclude now.

श्री झारखण्डे राय (घोसी) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं पिछली बार यह बता रहा था कि हिन्दुस्तान के कम आय और बहुत आय वाले लोगों में कितना अन्तर है। हमारे देश में 57 फीसदी ऐसे खेतिहर लोग हैं जो खेती करते हैं और जिन के पास दो एकड़ से भी कम खेत हैं। दूसरी ओर सारे देश में पांच प्रकार के बड़े-बड़े जमीन चोर हैं। जिन के पास हजारों एकड़ जमीन हैं। घनश्यामदास बिड़ला के पास 80 हजार एकड़ हैं, माहोली शकर मिल के पास 2800 एकड़ हैं, हिन्दुस्तान शकर मिल के पास 3300 एकड़, महाराजा पटियाला के पास 1500 एकड़ हैं, महारानी गायत्रीदेवी के पास 4000 एकड़ के पास के फार्म हैं इसी प्रकार अन्य के पास भी उत्तर प्रदेश में नैनीताल की तराई के इलाके में 5,000 एकड़ से ऊपर के तीन फार्म, 1,000 से 5,000 एकड़ तक के 12 फार्म, 500 से 1,000 एकड़ तक के 250 फार्म और 100 से 500 एकड़ तक 1,000 फार्म हैं: करियप्पा और थिमैया जो हमारे यहां के कमान्डर इन चीफ रह चुके हैं, उन के पास मैसूर में 5,000-5,000 एकड़ के फार्म हैं। हिन्दुस्तान में खेती योग्य जमीन दुनिया के करीब-करीब सब देशों से ज्यादा है। जैसे हिन्देशिया में 29%, अमरीका में 14% और कनाडा में 14% ही जमीन कृषियोग्य है । ढाई करोड़ एकड़ जमीन हिन्दुस्तान के पुराने सामन्तों और भूस्वामियों के पास है। पिछले बीस वर्षों में 2 हजार करोड़ खेती की पैदावार बढ़ाने पर व्यय किया गया है ऐसी स्थिती में देहातों में कम आमदनी और अधिक आमदनी का अन्तर बढ़ता जा रहा है। जमींदारी मुआवजा के रूप में केवल 1961 तक 164 करोड़ मुआवजा दे कर इस अन्तर को और बढ़ा दिया गया है। तीसरी योजना में अरबों रुपया खर्च कर के भी प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि नहीं हुई। चौथी योजना के बाद भी केवल नाम मात्र की बढ़ोतरी हुई है।